वार्षिक पाठ्यक्रम
सत्र: 2025-26
कक्षा: VII
विषय: सामाजिक विज्ञान

पुस्तक	अध्याय	सुझावात्मक गतिविधियाँ	अधिगम संप्राप्ति
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 1: "समानता"**	1. समानता के लिए संघर्ष की रोजा पार्कर की कहानी का विवरण खोजने और उस पर आधारित रोल प्ले। 2. समानता की धारणा का विस्तार करने के लिए RPWD Act-2016 के महत्व पर विद्यार्थियों के साथ चर्चा। 3. “अनुच्छेद-15” पर एक चार्ट बनाकर कक्षा में चिपकाएँ। 4. कार्यपत्रक सं.- 14,15,16	• सभी लोगों के लिए अवसर की समानता में विश्वास को प्रदर्शित करते हैं। • उन लोगों के प्रति स्वाअनुभूति दिखाते हैं जिन्हें बराबरी का अवसर प्राप्त नहीं हो पाता हैं। • सभी के लिए समान अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने के लिए व्यावहारिक समाधान के लिए सुझाव देते हैं|
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 2 : स्वास्थ्य में सरकार की भूमिका**	1. परियोजना: स्वच्छता और स्वच्छता के महत्व पर एक परियोजना कार्य विकसित करना। 2. कक्षा में स्वास्थ्य से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा का आयोजन, जैसे कि स्वच्छता, पोषण, बीमारियों की रोकथाम आदि। 3. रोल प्ले गतिविधि: छात्रों को स्वास्थ्यकर्मियों की भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करें, जिससे वे समझ सकें कि एक डॉक्टर, नर्स, या स्वास्थ्य कार्यकर्ता की जिम्मेदारियाँ क्या होती हैं।	• सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं तथा कार्यों की पहचान करते हैं जैसे कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, जिला अस्पताल, आदि। • स्वास्थ्य सेवाओं के वितरण में सरकार की भूमिका का विश्लेषण करते हैं। • सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के महत्व को पहचानते हैं। • विद्यार्थियों स्वास्थ्य सेवाओं में असमानता और इसके कारणों को समझते हैं और यह जानते हैं कि सरकार इन असमानताओं को कैसे कम कर सकती है|
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 3: "राज्य शासन कैसे काम करता है"**	1. विधान सभा में बहस पर रोल प्ले। 2. दिल्ली के मानचित्र पर अपना निर्वाचन क्षेत्र खोजना। 3. अपने राज्य के पिछले विधानसभा चुनाव परिणाम का पता लगाना। 4. अपने राज्य की वर्तमान सत्तारूढ़ और विपक्षी पार्टी के नामों का पता करना। 5. अपनी राज्य सरकार के कामकाज से जुड़े किसी भी मुद्दे जैसे कि शिक्षा कार्यक्रम, कोई कानून-व्यवस्था का मुद्दा,	• स्थानीय और राज्य सरकार के बीच के अंतर को स्पष्ट करते हैं। • संसदीय और राज्य चुनावों की प्रक्रिया की व्याख्या करते है। • विधान सभा के कामकाज का वर्णन करते हैं।

		मध्याह्न भोजन योजना, आदि के बारे में एक वॉलपेपर प्रोजेक्ट बनाना। 6. कार्यपत्रक सं.- 28,29,30,31	
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 4: लड़के और लड़कियों के रूप में बड़ा होना**	1. कक्षा में विभिन्न भूमिकाओं जैसे कि घरेलू कार्य, खेलकूद, आदि, के माध्यम से लिंग भेदभाव को समझने की कोशिश करना। 2. "लड़कों और लड़कियों के लिए समान अवसर" जैसे विषयों पर विचार-विमर्श आयोजित करना, ताकि विद्यार्थियों अपने विचार साझा कर सकें और विभिन्न दृष्टिकोणों को समझ सकें। 3. छात्रों द्वारा अपने परिवार और समाज में लोगों से इंटरव्यू लेना, ताकि वे जान सकें कि विभिन्न पीढ़ियाँ और समाज के विभिन्न वर्ग लिंग भूमिकाओं के बारे में क्या सोचते हैं।	• लिंग भेदभाव की अवधारणा और इसके प्रभावों का वर्णन करते हैं। • समाज में लड़कों और लड़कियों की भूमिकाओं और अपेक्षाओं का विश्लेषण करते हैं। • समाज में लैंगिक समानता की आवश्यकता और महत्व की पहचान करते हैं।
हमारा पर्यावरण	**अध्याय 1: "पर्यावरण"**	1. पर्यावरण के संरक्षण पर केन्द्रित ''पर्यावरण में परिवर्तन और मानव'', विषय पर कक्षा में चर्चा का आयोजन। 2. "एकआदर्श पर्यावरण" पर एक अनुच्छेद लेखन। 3. "पानी के महत्त्व'" पर चर्चा का आयोजन करना। 4. अपने आस-पास संतुलित वातावरण के लिए एक जागरूकता अभियान की तैयारी करना। 5. कार्यपत्रक सं.- 5,6,7,8,9	• पर्यावरण के विभिन्न घटकों और उनके बीच परस्पर संबंध को विस्तार से समझते हैं। • पर्यावरणीय संरक्षण की दिशा में सराहना और संवेदनशीलता को व्यक्त करते हैं । • अपने चारों ओर प्रदूषण के कारणों का विश्लेषण कर इसे नियंत्रित करने के साधनों के बारे में चर्चा करते हैं।
हमारा पर्यावरण	**अध्याय 2: "हमारी पृथ्वी के अंदर"**	1. मॉडल बनाना- विद्यार्थियों द्वारा पर्यावरण हितैषी सामग्री का उपयोग करके पृथ्वी की सभी आंतरिक परतों को दिखाते हुए एक 3D मॉडल बनाना। 2. प्रस्तुति और परियोजना कार्य- विभिन्न प्रकार की चट्टानों और खनिजों के बारे में परियोजना कार्य तैयार करना। विद्यार्थियों समूहों में विभाजित होकर प्रत्येक प्रकार की चट्टान या खनिज के बारे में जानकारी प्रस्तुत कर सकते हैं। 3. भूमिगत संरचनाओं की ड्राइंग- छात्रों से पृथ्वी की आंतरिक संरचना की ड्राइंग बनवाएँ और उन्हें प्रत्येक परत की विशेषताओं को लिखने के लिए कहें। 4. संसाधन संरक्षण की योजना- प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण पर विचार-विमर्श करें। छात्रों से उन तरीकों पर चर्चा करें जिनसे हम इन संसाधनों का संरक्षण कर सकते हैं और उन पर आधारित योजनाएं बनवाना।	• विद्यार्थियों पृथ्वी की आंतरिक परतों की पहचान और उनका वर्णन करते हैं। • चट्टानों (आग्नेय, तलछटी और रूपांतरित चट्टानों) और उनके बनने की प्रक्रिया का वर्णन करते हैं। • भूकंप, ज्वालामुखी और अन्य भूगर्भीय प्रक्रियाओं को समझते हैं जो पृथ्वी की सतह को प्रभावित करती हैं।

हमारा पर्यावरण	**अध्याय 3:" हमारी बदलती पृथ्वी"**	1. छात्रों को विभिन्न प्रकार के स्थलरूपों के मानचित्र दिखाकर उन्हें पहचानने और उन पर चर्चा करने के लिए कहा जा सकता है। 2. छात्रों को समूहों में विभाजित करके विभिन्न भूगर्भीय घटनाओं और उनके प्रभाव पर विचार-विमर्श और चर्चा। 3. छात्रों को प्राकृतिक आपदाओं के कारण, प्रभाव और निवारण के तरीकों पर प्रोजेक्ट बनवाना, जिसमें वे चित्र, चार्ट और ग्राफ का उपयोग कर सकते हैं।	• पृथ्वी की आंतरिक संरचना और विभिन्न भूगर्भीय प्रक्रियाओं को समझते हैं। • विभिन्न स्थलरूपों जैसे पर्वत, मैदान, पठार, और घाटियों के निर्माण और उनके विशेषताओं को पहचान करते हैं।
हमारा पर्यावरण	**अध्याय 4: "वायु"**	1. मौसम कैलेंडर बनवाना । 2. वायु प्रदूषण पर चर्चा करें। 3. एक पारिस्थितिकी तंत्र को पहचानें और उसका चित्र बनाएँ। 4. कार्यपत्रक सं.- 17,18,19,20	• वातावरण की संघटन और संरचना पर चर्चा कर सकते हैं। • ग्रीनहाउस प्रभाव और वातावरण के महत्व की व्याख्या करते हैं। • किसी स्थान के पारिस्थितिकी तंत्र की पहचान करते हैं एवं पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाली मानवीय गतिविधियों का वर्णन करते हैं|
हमारे अतीत –II	**अध्याय 1: "प्रारम्भिक कथन: हज़ार वर्षों के दौरान हुए परिवर्तनों की पड़ताल"**	1. विद्यार्थियों विभिन्न ऐतिहासिक घटनाओं की एक कालक्रम बनाएँ और उसमें मुख्य घटनाओं को चिह्नित करें। 2. विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों जैसे सिक्के, दस्तावेज़, और इमारतों की तस्वीरों का अध्ययन करें और उन पर एक प्रस्तुति तैयार करें। इसमें हर विद्यार्थियों को एक स्रोत पर चर्चा करनी होगी और उसकी विशेषताओं और महत्त्व को समझाना होगा।	• विद्यार्थियों हजार वर्षों के दौरान हुई प्रमुख ऐतिहासिक घटनाओं की पहचान को समझते हैं • विद्यार्थियों विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों जैसे सिक्के, दस्तावेज़, और स्थापत्य संरचनाओं का विश्लेषण करते और इन स्रोतों के माध्यम से ऐतिहासिक जानकारी प्राप्त करने के तरीकों को समझते हैं।
हमारे अतीत –II	**अध्याय 2: "राजा और उनके राज्य"**	1. छात्रों को खाली मानचित्र प्रदान करें और उनसे विभिन्न राज्यों की क्षेत्रीय सीमाओं का शोध करने के लिए कहें। विद्यार्थियों फिर अपने मानचित्र पर इन राज्यों को चिह्नित और लेबल करेंगे, जिसमें महत्वपूर्ण शहर, नदियाँ और व्यापार मार्ग शामिल होंगे। 2. छात्रों को विभिन्न वंशों और राज्यों की समयरेखा बनाने के लिए कहें, जो अध्याय में शामिल हैं। उन्हें महत्वपूर्ण घटनाओं जैसे युद्ध, संधियाँ और प्रमुख निर्माण परियोजनाओं को शामिल करना चाहिए। इस समयरेखा को कक्षा में	• विभिन्न राज्यों की भौगोलिक सीमाओं का और उनकी राजनीतिक संरचनाओं की पहचान करते हैं, जिन्होंने उनकी समृद्धि और सत्ता का मार्ग निर्मित किया। • विभिन्न राजाओं द्वारा अपनाई गई शासकीय नीतियों का विश्लेषण करते हैं। • विविध ऐतिहासिक घटनाओं का विश्लेषण करते हैं और उनके प्रभावों को समझते हैं।

		प्रदर्शित किया जा सकता है ताकि सभी विद्यार्थियों इसका लाभ उठा सकें। 3. 3.छात्रों को विभिन्न ऐतिहासिक स्रोतों जैसे शिलालेख, सिक्के और पुरानी इमारतों की तस्वीरें दिखाएँ। छात्रों से इन स्रोतों का अध्ययन करने और उन पर एक संक्षिप्त रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहें, जिसमें वे इन स्रोतों की विशेषताओं और उनके ऐतिहासिक महत्व को समझाएँ। 4. कक्षा में एक चर्चा सत्र आयोजित करें, जिसमें विभिन्न राजाओं की प्रशासन व्यवस्था पर चर्चा की जाए। छात्रों को प्रेरित करें कि वे अपने विचार साझा करें कि इन प्रशासन व्यवस्था प्रणालियों का उनके राज्य पर क्या प्रभाव पड़ा और कैसे इनसे समाज का विकास हुआ।	
हमारे अतीत –II	**अध्याय 3: "दिल्ली : बारहवीं से पंद्रहवीं शताब्दी"**	1. रज़िया सुल्तान, रानी रुद्रमा देवी और रानी दिद्दा पर एक अनुच्छेद लिखिए। 2. 12वीं से 15वीं सदी से संबंधित स्मारकों के दिल्ली के स्थानीय दौरे का आयोजन। 3. कार्यपत्रक सं.- 10,11,12,13 4. 2वीं से 15वीं शताब्दी के प्रशासन तथा मुग़ल प्रशासन की तुलना कीजिए।	• 12वीं से 15वीं सदी के बीच के शासकों के प्रशासन और रणनीतियों की तुलना करते हैं। • 12वीं से 15वीं शताब्दी के बीच की रूढ़ियों पर चर्चा करते हैं।
हमारे अतीत –II	**अध्याय 4: "मुग़ल (सोलहवीं से सत्रहवीं शताब्दी तक)"**	1. वर्तमान प्रशासन और मुग़ल के प्रशासन के बीच तुलना कीजिए। 2. मुग़ल कालीन सम्बंधित स्मारकों के स्थानीय भ्रमण का आयोजन 3. कार्यपत्रक सं.-21,22,23,24,25,26,27	• मुगलों की वंशावली की सूची बनाते हैं। • दिल्ली सल्तनत के साथ मुगलों की राजस्व और शासन व्यवस्था की तुलना करते हैं।

नोट:

- उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम को 6 सितंबर 2025 तक पूर्ण करवा लिया जाए।
- जहां तक संभव हो उभरा हुआ (एम्बोस्ड) मानचित्र का प्रयोग कीजिए।
- मध्यावधि परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।

मध्यावधि परीक्षा

पुस्तक	अध्याय	सुझावात्मक गतिविधियाँ	अधिगम संप्राप्ति
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 5: “औरतों ने बदली दुनिया”**	1. छात्रों से महिलाओं द्वारा किए गए विभिन्न योगदानों पर निबंध लिखने के लिए प्रेरित करें। 2. छात्रों को विभिन्न महिला संघर्षों और उनकी साहसिक कहानियों का विश्लेषण करने के लिए ग्रुप वर्क या परिचर्चा का आयोजन करें। 3. "महिला शिक्षा: एक समाज के लिए महत्व" जैसे विषय पर छात्रों के बीच विचार-विमर्श का आयोजन करें।	1. महिलाओं के विभिन्न योगदानों का विश्लेषण करते हैं। 2. महिला शिक्षा और सशक्तिकरण की आवश्यकता का मूल्यांकन करते हैं।
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 6: “संचार माध्यमों को समझना”**	1. विभिन्न विज्ञापनों का संग्रह करें और उनका विश्लेषण करें कि वे उपभोक्ताओं को कैसे प्रभावित करते हैं। 2. मीडिया की सकारात्मक एवं नकारात्मक भूमिका पर कक्षा में वाद-विवाद का आयोजन करें।	1.मीडिया की भूमिका और उसके महत्व को समझते हैं। 2. मीडिया रिपोर्टिंग की निष्पक्षता और विश्वसनीयता का विश्लेषण करते हैं।
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 7: "हमारे आस- पास के बाज़ार"**	1. शॉपिंग मॉल के साथ पड़ोस की दुकानों की तुलना कीजिए। 2. दिल्ली के एक साप्ताहिक बाजार, थोक बाजार और शॉपिंग मॉल में किसी एक विशेष समान की कीमत का अंतर पता कीजिए।	1) विभिन्न प्रकार के बाजारों के बीच का अंतर बता पाते हैं। 2) सरकार के द्वारा विभिन्न आर्थिक गतिविधियों को नियंत्रित करने की जरूरत को समझते हैं।
सामाजिक और राजनीतिक जीवन-II	**अध्याय 8: “ बाज़ार में एक कमीज़”**	1. कक्षा में एक परिस्थिति आयोजित करें जहां विद्यार्थियों आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न हितधारकों (किसान, कारखाने के मजदूर, मध्यस्थ, खुदरा विक्रेता, और उपभोक्ता) की भूमिका निभाएं। 2. छात्रों को एक स्थानीय दुकानदार या खुदरा विक्रेता का साक्षात्कार करने के लिए प्रोत्साहित करें और कपड़े स्रोत और बेचने की प्रक्रिया के बारे में जानें। 3. छात्रों से विभिन्न दुकानों या ऑनलाइन प्लेटफार्मों से कमीज़ के मूल्यों के आंकड़े एकत्र करने के लिए कहें। 4. श्रम अधिकारों और उचित वेतन के विषय पर एक बहस आयोजित करें।	1. उत्पादन, निर्माण और वितरण सहित आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न चरणों की पहचान करते हैं। 2. किसानों, कारखाने के मजदूरों और खुदरा विक्रेताओं के बीच आर्थिक परस्पर निर्भरता का वर्णन करते हैं। 3. बाजार में मध्यस्थों के होने के लाभों और हानियों का मूल्यांकन करते हैं। 4.आपूर्ति श्रृंखला के विभिन्न चरणों में मजदूरों की काम करने की स्थिति और वेतन के बारे में जानकारी प्रदान करते हैं।
हमारा पर्यावरण	**अध्याय 5: "जल"**	1. मानचित्र कार्य : विश्व मानचित्र में प्रमुख समुद्र, झीलों, नदियों और महासागरीय धाराओं को दिखाइए। 2. आपके द्वारा प्रतिदिन उपयोग में लाये जाने वाले जल के अनुमानित खर्च की सूची बनाइए तथा इस उपयोग को कम करने के उपायों पर चर्चा करें। 3. जल के महत्त्व और वर्षा जल संग्रहण के उपायों पर चर्चा, केप टाउन (दक्षिण अफ्रीका) में जलाभाव पर चर्चा। 4. जल चक्र का चित्र।	1) जल के प्राकृतिक संसाधन और संरक्षण की आवश्यकता की पहचान और जल को प्रदूषित करने वाले विभिन्न कारकों से अवगत हैं। 2) जल, वायु और जंगल जैसे संसाधनों के संरक्षण के प्रति अपने कर्तव्यों का वर्णन करते हैं |

हमारा पर्यावरण	**अध्याय 6: "मानव- पर्यावरण अन्योन्यक्रिया: उष्णकटिबंधीय और उपोष्णप्रदेश"**	1. भारत के नक़्शे पर उत्तरी भारत में बहने वाली नदियों को दिखाइए। 2. दक्षिण अमेरिका के मानचित्र पर अमेज़न बेसिन दिखाइए। 3. इन दो क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों, वनस्पतियों और जीवों की सूची बनाएं। 4. कार्यपत्रक सं.- 40, 41	1) उष्णकटिबंधीय औरउपोष्णकटिबंधीय क्षेत्रों में रहने की स्थिति को समझ पाते हैं। 2) पर्यावरण पर मानवीय अंतःक्रियाओं के प्रभावों की चर्चा कीजिए।
हमारा पर्यावरण	**अध्याय 7: "रेगिस्तान में जीवन"**	1. छात्रों को रेगिस्तान के जीवन और वहां की जीव-जन्तुओं के बारे में चित्र और पोस्टर बनाने के लिए प्रेरित करे। 2. छात्रों को समूहों में विभाजित करके रेगिस्तानी जीवन के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श और चर्चा कराएँ।	1. रेगिस्तान के पर्यावरण, जलवायु, और पारिस्थितिकी तंत्र को समझते हैं। 2. रेगिस्तान में पाई जाने वाली विशेष वनस्पति और जीव-जन्तुओं को पहचान करते हैं। 3.रेगिस्तान में जल संसाधनों के महत्व और उनके प्रबंधन के तरीकों के बारे में विस्तारपूर्वक चर्चा करते हैं।
हमारा पर्यावरण	**अध्याय 5:" जनजातियाँ, खानाबदोश और एक जगह बसे हुए समुदाय"**	1. छात्रों को विभिन्न जनजातियों और खानाबदोश समुदायों पर अलग-अलग रिसर्च करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। उन्हें अपनी रिपोर्ट में समुदाय के विशेषताओं, संस्कृति और आर्थिक जीवन को समझाना होगा। 2. छात्रों को विभिन्न स्थायी समुदायों के बारे में जानकारी एकत्र करने के और उनकी विशेषताओं, संस्कृति, और आर्थिक जीवन को चित्रित करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। 3. कक्षा में एक विचार-विमर्श सत्र आयोजित करें, जिसमें छात्रों को विभिन्न समुदायों के बीच भौगोलिक, सामाजिक और आर्थिक संबंधों पर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया जाए।	1.विभिन्न जनजातियों और खानाबदोश समुदायों को पहचानेंगे और उनके जीवन प्रणालियों, संस्कृति और आर्थिक जीवन को समझते हैं। 3. आर्थिक और सामाजिक संरचनाओं जैसे व्यापार, व्यवसाय, समाजी संगठन और विभिन्न धार्मिक प्रथाओं का का विश्लेषण करते हैं।
हमारे अतीत –II	**अध्याय 6:"ईश्वर से अनुराग"**	1. भक्ति संतों और उनसे संबंधित स्थानों की एक सूची बनाइए। (आवश्यकता होने पर ब्रेल सूची का उपयोग करें) 2. भारत के पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण, से एक राज्य को चुनकर अपने खाद्य कपड़ों, भाषाओं, त्योहारों, कला इत्यादि पर तुलनात्मक चर्चा कीजिए। 3. कार्यपत्रक सं.- 32,33,34,35,36,37,38,39	1) उन कारकों का विश्लेषण करते हैं जिन्होंने नए धार्मिक विचारों और आंदोलनों (भक्ति और सूफी) के उद्भव को जन्म दिया। 2) कविताओं, गीतों और अन्य साहित्यिक कार्यों को लिखने के लिए नई भाषाओं का उपयोग कैसे किया जाता है, का वर्णन करते हैं।
हमारे अतीत –II	**अध्याय 7: "क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण"**	1. छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय संस्कृतियों के प्रदर्शन के माध्यम से उनकी सांस्कृतिक विशेषताओं को समझाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।	1. विभिन्न क्षेत्रीय संस्कृतियों को पहचानते और समझते हैं। 2. विभिन्न क्षेत्रीय संस्कृतियों की सांस्कृतिक विशेषताओं का विश्लेषण करते हैं।

		2. साहित्य, कविता या कहानियों को बनाने या उन्हें पढ़ने के लिए एक कार्यशाला आयोजित करें, जो विभिन्न क्षेत्रीय संस्कृतियों के अध्ययन में मददगार हो सकती है। 3. छात्रों को विभिन्न क्षेत्रीय कला प्रदर्शन के लिए प्रेरित करें, जैसे पेंटिंग, संगीत प्रस्तुतियाँ या नृत्य। 4. कक्षा में विचार-विमर्श सत्र आयोजित करें, जिसमें छात्रों को क्षेत्रीय संस्कृतियों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करने के लिए प्रेरित किया जाए।	
हमारे अतीत –II	**अध्याय 8: "18 वीं शताब्दी में नए राजनीतिक गठन"**	1. पाठ में वर्णित विषयों के बारे में लोकप्रिय कहानियों पर कक्षा में चर्चा कीजिए। 2. मानचित्र कार्य: 18 वीं शताब्दी में नए राज्यों का गठन और अठारहवीं शताब्दी के मध्य ब्रिटिश क्षेत्र। (जहाँ तक संभव हो उभरा हुआ(एम्बोस्ड) मानचित्र का इस्तेमाल कीजिए।	1) मुग़ल साम्राज्य के पतन के कारणों की समझ विकसित करते हैं। 2) 18 वीं शताब्दी के पूर्वार्ध के दौरान मुग़ल साम्राज्य और जाट, मराठा, सिख और राजपूत जैसे नए राजनीतिक समूहों के उदय के कारणों की व्याख्या करता हैं।

नोट:

- ❖ उपरोक्त वर्णित पाठ्यक्रम को 31 जनवरी 2026 तक पूर्ण करवा लिया जाए।
- ❖ **जहाँ तक संभव हो उभरा हुआ (एम्बोस्ड) मानचित्र का प्रयोग कीजिए।**
- ❖ वार्षिक परीक्षा हेतु पाठ्यक्रम की पुनरावृत्ति।
- ❖ वार्षिक परीक्षा में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का मूल्यांकन किया जाएगा।

वार्षिक परीक्षा 2026

मानचित्र कार्य	
अध्याय-2: "राजा और उनके राज्य"	इन्द्रप्रस्थ, कन्नौज, बनारस, मालखेद(मान्यखेत), प्रयाग
अध्याय-3: दिल्ली : बारहवीं से पंद्रहवीं शताब्दी	दिल्ली, आगरा, जौनपुर, बंगाल, मालवा, गुजरात, राजस्थान
अध्याय-4: मुग़ल (सोलहवीं से सत्रहवीं शताब्दी) तक	दिल्ली, पंजाब, मथुरा, इलाहबाद, पानीपत
अध्याय-6: ईश्वर से अनुराग	उत्तरप्रदेश, मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, तमिलनाडु, गुजरात, राजस्थान, पश्चिम बंगाल, असम
अध्याय-7: क्षेत्रीय संस्कृतियों का निर्माण	भारत के राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश
अध्याय-8: "18 वीं शताब्दी में नए राजनीतिक गठन"	दिल्ली, पानीपत, भरतपुर, आगरा, लखनऊ, ग्वालियर, हैदराबाद, पूना, बरौदा, जोधपुर, भोपाल
अध्याय-5: जल	महाद्वीप और महासागर
अध्याय-7: रेगिस्तान में जीवन	जम्मू, श्रीनगर, कारगिल, लेह, रोहतांग पास, बारा लाचा ला, ज़ोजीला